2夕;

# স॰খ্যাসার।

सार्था १.

## हे दाकी उर्वाक्षका विम्हालयम् ज्ञाजगात्वर निकार

পঞ্জুত, হড়্রিপু প্রভৃতি আব**ন্ত**নীয় সংখ্যার পর্যায়

নংশ্বাং সু হিডার্থায় ডেডিং প্রশ্তকং দয়। তম্য লোবান্ পরিভালা অগ্ন, গুক্ক প্রতিভাগ

> ब्रीविभिन्याङ्ग सन् सन्धः श्रदीकः

> > কলিকাত। ।

বুত বাবু গোবিক্চক গুপ্তের ছারা সংবাদ সক্ষনরঞ্জন যন্ত্রে মুক্তিত হইল। লকাশাঃ ১৭৮৩। মুক্তা । ু চারি জানা মাধ্য।

### বিজ্ঞাপন।

ব্যভাষা পাঠ করিতে যাইলে জনেকগুলিন সংখ্যার প্রতিষ্ট জানা অত্যাবশ্যক, অধ্য একালপর্য্যন্ত কোন মহা-া কর্ক এমত একখানি পুস্তক মুক্তিত হয় নাই, যন্তা-র ভদাবহ জাত হওয়। যাইতে পারে। আমি **এই অসম্ভাব** দ্বীক্ষণ প্রত্যাশায় প্রোংমাহিত হইয়া এই ক্ষুদ্র পুত্তক ্রি সম্বলন করিল। যা এতং পাঠে এই প্রাচীন ভারত-গ্রাষ্ট্র পুর্স্মকাল-প্রচলিত আচার, ব্যবহার, ধর্মা, কর্মা প্রাভূ-<sup>L</sup>ত্ত কথাঞ্জত প্ৰিচয়ও পাওয়া যাইতে **পা**রে। **ইহা যে স্ককু-**্বনতি বালকগণের পক্ষে কতদূর উপযোগী হইবে, চিছিল যা অপবিভুপ্ত গৃহিলান, তবে মধ্যে২ ছুই এ**ডটি** ক্টিনতর সংখ্যা পরিত্যক্তমতে, ভাহারদিগকে এই পুস্তক খনি পাঠ করান যাইতে পারে। যাহাইউক এমত সাহস <sup>ুর</sup> যাইতে পারে, যে ইংরাজী বিদ্যা**লয়ের উচ্চ প্রেণীস্থ** প্রভাষান্তরাগী ছাক্র মাত্রেই ইহার উ**পযোগিতা উত্তমরূপে** ময়ত্তৰ কৰিতে পারি বন। **তন্মধ্যে যে সকল পর্য্যা**য় **লিখিত** <sup>ছইল ওত্তাবৎ প্রায় প্রত্যেক বাঙ্গালা পুস্তক পাঠ প**লে অভি**</sup> मात श्राक्तीय।

ইহা কি সামান্ত জুংখের ও বিস্ময়ের বিষয় যে ইংরাজী বিদ্যালয়ের কৃতবিদ্য ছাত্রগণের মধ্যে অনেকেই পঞ্চভূত কাহাকে বলে তাহা অবগত নহেন। তাঁহারা পঞ্চতকে পাঁচটি প্রেত বলিয়া জানেন।

অতথব পঞ্চতুত, ষড়রিপু এবং গপ্ত চিরজী বী প্রাকৃতি। আবাজিকীয় পর্য্যায় ইহার মধ্যে সন্নিবেশিত দরা হইস অপর ছ্রাই ও অনাবশুক বোধে অনেকগুলিন সংখ্যা পর্তি ভাতে ইইরাছে। পুসকংখনি সহজ কর্থাপয়ে, প্রতি ভটিন্দিকেরই অর্থ লিখিত এবং প্রায় প্রত্যেক সংখ্যার নিম্নতা গো এক একটু টাকা এবং কুচিং এক একটু মন্তব্য বিষয়র বিশ্বিত হইল।

সংখ্যাবোধক ও সংখ্যার পূর্ণবোধক এই দ্বিবিধ সংখ্যাবাসক সাধুভাষা শক্ষ এবং কডকগুলিন সাক্ষেতিক শক্ষ সকলেরই জানা আবেশ্যক বলিয়া পূস্তকের শেষভাগে ভতাবং সনিবেশিত হইল। একণে ইহা সর্বত্র পরিগৃহীয় ও বাবস্ত হইলে মুমস্ত পরিশ্রম সকল বে।ধু করিব।

পরিশেষে সকৃতজ্ঞচিত্তে বিজ্ঞাত করিতেছি যে সংস্কৃত্ত কালেজের শা তি শাস্ত্রাধ্যাপক শ্রীযুক্ত ভরতচন্দ্র শিরোমণি এবং উক্ত কালেজের সহকারী সম্পাদক শ্রীযুক্ত সোমনাথ মুখেপোধ্যায় অপিচ কলুটোলা ক্ষুলের হেড্ পণ্ডিত প্রীযুক্ত ন্যকান্ত ভর্কপঞ্চানন, এই কয়েক মহাস্থা এই পুস্তৃকথানি সঞ্চলন পক্ষে বিশেষ সাহায্য করিয়াছেন। এমন কি ভাঁহার দিগের অন্তুক্তা ভিন্ন আমি কথনই মদারদ্ধ কার্যো সিদ্ধ কাম হইতে পারিতাম না।

स्वर्धकः १ ० ४००११म জীবিপিনমোহন সেন গুপ্ত। প্রেসিডেদী ফালেজ।

# সংখ্যাসার ।

#### व्ययम वस्

# यशन यथीं वर्मत्राक्ती

2

সূর্য্য পূর্ব্যদিকে উদয় হইয়া দক্ষিণ দিয়া যে ছয়দাস অন্তগত হন তাহাকে দক্ষিণ বন এবং উত্তরদিক দিয়া যে ছয়দাস অন্তগত হন তাহাকে উত্তরদিক কহে।

#### शक बरा।

পूर्नियात्र श्रेष व्यक्ति स्वाप्त क्रिक्ष भक्त । अवर व्यक्तिया हरेट श्रुनिया श्रीका मंत्र-

<b>स</b> ्क	ल के शक्त	<b>ሞር</b> ₹ i	অতএব	<b>બ</b> નત	निम	রাগে
LAP	কৈ ছয়।					

# ্থ**ৰ** প্ৰাক্ত হয়। প্ৰাক্ত হয়। পিতৃ হাব ক্ষমি হাব স্থাৰ

লোটেও বেদ পুরাণানি গাঠছার। ঋণি ঋণ সম্ভাবনাংপাদনে পিতৃ ঋণ, এলং সজ্জানি সক্ষা দলে দেব ঋণ হইতে মুক্ত হইয়া গাকেন।

#### जिलाक।

ভূরে ক	** *	•••	••	 
'करहर्न'क	• •	•		
ख् <b>ः</b> लीव			***	٩
				٤
at Ti				जा श
इ.लंक		ম ৰ্ভাং	লাক ( দু	वस ,

ভূব <b>লোক</b>	. * * *	••••	বিতীয়	লোক			
খলোক	****	স্থায়	লোক, অস	র পুর			
*	f	ত্ৰজগৎ।					
<b>इ</b> र्द.			. , .	*			
ন কা	• 1	**	# L7	<b>ב</b>			
্ডিল	4.	4.41	1648	۶,			
				13			
	f	াক এয়।	,				
ুং <b>লিফ</b>			***	>			
দ্রী নিঞ		***		**			
<u> গ্রিলিস</u>	••	2 + ma	•	•			
\$1				annage value di e MARK /			
				15			
ত্রিগুণ ৷							
मर्भ		***	• • •	٠٠٠ څ			
र अह		ç	,••	··· 5			
ভসঃ	,	** **		<u></u>			

THE STATE OF THE S				. प्यश्
1975 in ex	কৃতির প্রথম	প্তৰ য	দ্বার: স্বি	हें ह्यू !
	<sup>ই</sup> দিভীয়	ान के	স্থিতি বিকা	₹श्च ⊦
<b>ভ</b> সঃ ট	ই ভূডীয়	न्ध्रव क्षे	স্থি না	গ হয়।
*	<u>তি চাণ</u>	ī i		
জাধি নৈবিক		***	••	
আধি ভৌতিক	••		***	
আধ্যান্ত্রিক	•	***	***	*
				৬
* 4				অধ্
<b>जा</b> दिदेशिक	বজাগত,	डेल्का	পাত প্রভ	তি দে
	<b>जाभ देवता</b>	ধীন গ	টিয়া থাবে	FI
আধিভৌতিব	যে তুংখ ম	भुषा,	পশু, পক্	इह-
i	ভে হইয়া	থাকে।		
আধ্যাত্মিক	गड़ीत कि	ষা ম	নতে কা	<b>গি</b> ত্ত
1	প্রভূতির	दैरयभ	उ छन्। र	া কাম
	ক্ৰোধাদি	র আদি	ধকু নিগি	ख (य

मध्य श्व

#### ভাবত্রয় ৷

	*			1 15
পশু	****	-141	****	🤾 🤌
वीर	***	****	****	
न्त्र हा	****	***	***	> 3
				-
				73

বেনোক্ত বিধানে শক্তাদি পূজা ফদারা

হিচাকে পশু ভাগ কছে। নহা আড়মা

কৈ নার ভাল বিধানে ঐ পূজা ফদারা হয় তা
কে নীর ভাব বলা থায়। এবং নদ্য মাংগ

কংশপ দ্বারা বিনাড্যরে ঐ পূজা ফদারা হয় তা
কি নিয়া ভাগ কহা যায়।

	অপর	ভাবত্র ৷				
শ <b>াত্রক</b>	.***		****	••••	٠,	
াজ্যিক	***	,	4***	****	>	
ভাষ্দিক			••••	****	>	
	•				-	

কেবল ধর্মার্থ জ্ঞানৈশ্বর্যা প্রকাশকে সান্ধিক। ভাব কহা যায়। কান, কোধ, লোভ, লসম্ভোব

का इंडिएक	রাজ	স ভাব	বলা	যায়	1 3	97	Smaletis.
निजानगा,							
रला कार्यः							

নিজালস্য	, कर्म दे	वखना निष	ৰ্মতাকে	ভাষ্	ভাर
বলা শায়।					
÷ ,		ত্রিকাল	1	*	
<u>\$</u> .5	***	• • •	***	••••	*
ভবিষ্যৎ	***				
<b>ব</b> র্ড্যান	•	, > **	****	****	
g 1					
<b>भा</b> वर				<i>হ</i> ।	<b>L</b>
कुंख	****	***		স্বৰ্ভ	ीज
ভবিষাৎ	•		4441	অনাগ	TS
दर्खनाम	***	• •	٨	উপ্র	≨.£
रैवर	করণের	<u> ५</u> इ कः	লত্যকে	অনেক	21-
कारत दिख	ড করিয়	াছেন। ক	লতঃ এম	<b>লে</b> খ	:ৰা
ুদিগের ভা	হ্ বক্তব্য	নহে৷			
50 ege* 11 t a 15	অপ	র কাল	ত্র।		
नोना		****			<sub>\$</sub> >
হৈছবন-	****	,	,		>
टार्कका.	****				5

# -८क्ष्ये ट्योहांवदाटक कांस विदेश व शतिश= ণিত কবিয়া থাকেন। মন্ত্ৰা জীবন এই ৰূপে ছিন্তু পণ্ডিভদিপের -খাগৈতিন ভাগে বিভক্ত হইয়াছে। দশাত্র। 5 214 গভীর নিজাবহাতে সৃষ্প্তিকহে। जिए। य। 4.15 48 1.75 ... বায়ু। ··· শরীরের তিক্ত ধাতু। **(新工!!** 3.3

্রতি দোষভায় না ধাকিলে শরীরে বুর্জ গীমনা-গমন এবং শরীর রক্ষা করা ভার হইত। বায়ু, জাঞ্লৰং জল দ্বিটি যন্ত্ৰ বিশেষ চালিত হইয়া शंदर्क ।

# পদাথ এয়া

(5 SA **अ**टिंग डिसिन

'অ ৰ্থ

103

চৈতন চেতনা বিশিষ্ট পদাৰ্থ যথ। **অস্থা**দি।

ক্লচেতন চেতনা রহিত পদার্থ বলা পুতকাদি। याहा इति (उत्त ज्या यथा नजिति।

# শক্তিত্রয় ৷

# কর্মাত্রয় ৷

লেডা		****	****	5
্রমনি ক্তিক	****	****	••••	*
क्षा	****	***	••••	*
				৩

যাঁহা না করিলে পাপ হয় তাহাকে নিত্য কর্ম বলে। কোন কারণ বশতঃ যে কর্ম করিতে সম ভাহাকে নৈমিজিক এবং কামনা করিয়া যে ার্ম্য করা হয় সেই কাম্য।

# প্রমাণ চতুফয়।

		~ \		
্ৰত্যক্ষ	****	***	****	
<u> শরুমানিক</u>		,.41	•	>
ইপনানিক	,***	****	••••	>
*াব্দিক	****	c# #	****	>

8

যাহা ইন্দ্রিয় থারা অনুভব হয় তাহাকে প্রভাক প্রমাণ কহে। ফল দর্শন করিয়া বাহার হেতু দির্দেশ করা যায়,ভাহাকে আনুমানিক কহে, (क्का পূম দুক্তে অনি নিরপণ করা) পরস্পর বৌষাদৃশ্য থাকার একের দর্শনে অন্যকে নির্দেশ কুরাকে উপমানিক বলা যায়। আগুবাক্য অর্থাৎ ইদ্বরাণী প্রভৃতি বিশ্বস্থ নাক্যকে শান্দিক প্রমাণ

বলৈ।

চতুৰ্বেদ 1

राष्ट्रः ....

ব্রথকা

হিন্দু শাস্ত্রমতে বেদ অপৌক্ষবের অর্থাৎ কোন পুরুষ কর্ত্ব নহে। অনাদি ত্রলা, অগ্নি, বায় শবি হইতে গরুর পালানের ছুপ্নের ন্যায় প্রকাশ মাত্র করেন। এবং মহর্ষি বাগি উহা শাখা প্রতেশে বিভাগ করিয়াছেন বলিয়া তাঁহার নাম বেদব্যাস নামে থ্যাত হইয়াছে।

চতুরাশুম ৷

egye" yake , , ake

্রক্রহর) কার্ত্য

· নিপ্ৰস্থ		g # # *	****	n***	*	ì
<b>€</b> ₹	4.7.50			****	•	х
				•	8	3. ,

বানপ্রস্থান্ত্রনার বনে বাদ করেন। বহু সার্থি ভারতবর্গারেরা উপরি উক্ত আন্ত্রম নূর্ত্তক্তর বিভক্ত হইয়া এই ভারতভূমে বাদ করিে আদিতেছেন। তথ্য গৃহস্থান্ত্রনারলিরিরা ভাতি ।
কাণে অধিক ও বানপ্রস্থান্ত্রমারলিরিরা ভাতি ।

# চতুৰ্বৰ্গ ৷

এই বর্গ চভুষ্টায়ের মধ্যে কোন না কোন।

গাই প্রায় নমুধ্য মাতেই পাইতে ইচ্ছা করিকা

িকন।

,	চ	তুর্ণ ।	
<u>রোক্</u> ষণ	v**·		
क <u>विश्व</u> रेन्स्थ	- # * *	, + # C	**
रे विश्वा	***	****	.***
गृज		•••	

অন্তদ্দেশে পূকাকালে ব্রাক্ষণের। ঘার ক্রিয়া দম্পাদনে, বেদাদি ধর্মশাস্ত্র পাঠে এ বাবকাদি দিভে। ক্ষত্রিয়ের। রাজ্যভার এহতে ও রাজ্য রক্ষার্থ। বৈশ্বের। বাবসায় করিছে এ স্ক্রেরা দাসক্রার্থা নির্বাহ করিছে আলিও ও ক্রিকন ও দেশাচারদারা থাকিতে বাধ্য হইতে ও পরিমাণ চত্ত্রীয়া

	,	''' d	, •	
SILEA	****			••••
ভাল	,***			***
গোকণ	**** (		****	
্বিভ <b>স্তি</b>			****	••••

A ST

िक्षार्मम 💎 कब्ब्रेनी महिल विख् ज अञ्चर्छ।

<b>ट</b> 'ल	-হধ্যমার	া সহিত বিং	<b>ছ ভ অঙ্</b>	के ।	
ু-ংক্ষর্	অনাগি	ब्रांच	में थे।	`	
সমূতি	ক নিহ	্ব ঐ বা বিশ	ত অথাৎ	হ্ভাদ	ส์ :
	য্	ग ठङ्गोस	]		
% <b>3</b> }		·	****		`>
্ত্ৰভ	****		****		3
ৰ প্ৰ	4/4)	, * • •	****	•• •	3
र्त्ता	***	v 4 4 v	****		•
				٠ • س	-
		٠. ٠			. 8
	চ কু	विष भाग			
भोड़		u. ● ×		.,.,	\$
্য শ্ৰ		****	•		>
८^त्ब	* **	, • •		****	>
্ক্ত্রিক		***	***		5
				***************************************	
					ō

হুৰ্য্য এক রাশিতে যাবৎ কাল থাকেন তা-ভাকে সৌরমান বলা যায়। চাক্রেনান ছুই প্রকার মুগা চাক্র ও গৌণ চাক্র। শুক্ল প্রতিপদাদি অমাবদ্য। পর্যান্ত মুগ্র চাক্রা ক্লফ প্রতিপদাদি পৌর্ণমাদী পর্যান্ত গোল চাক্রাইয়। সাধারণতঃ তিশদিনে যে মান হয় ভাছাকে নাবন মান কহে। অসিনীনক্ষত্র অর্থা রেবতানক্ষত্র পর্যান্ত যে কাল তাহাকে নাক্ষাক্র আল কছে।

# 

ক্ষিতি-মৃত্তিকা। অপ-জল। তেজঃ - হাজি মূরুৎ-বায়ু। ব্যোম্-আকশি।

ভারতবর্ষীয় প্রাচীন পণ্ডিডদিগের মতে এই পঞ্চতুত করণক মন্ত্রা দেফ নির্মিত হইয়াছে।

ইউরোপীয় অধুনাতন পণ্ডিতেরা হিষ্টি প্রকার জল আছে ইহা নির্ফেশ করিয়াতের।

Ċ

7	हर्णानिषु ३ व।	वारकानि	য় পঞ্চ।	
生受	»**·	****		3
5 PJ	* ***	••••		*
∍ृत् <b>र्द</b>	***	••••	• •	3
<b>1</b> 9	##+X	***	4-4	\$
हेपक्		<b>,</b> • •	****	*
			disco	
				Ŋ
	পায়ু-ওহাদেশ	। এবং উপস্থ	-निम।	
	জ্ঞানে	न्द्रा शक	l	
5要t.	***	\$0 PL		3
कर्ष.	( *	****	****	*
ন'নিকা	8 5 P		****	*3
জিহ্বা	0.000	u # 1 *	****	٠,

ইহাদের কার্য্য। ত্রপ. শব্দ, আব, রম এবং স্পর্শ।

30

# অফুলি পঞ্চ।

महार्षे ज्ञानी	****	61.06	4444	
संध्या	( <b>44</b> /	. ***		
অনামিকা	****	***	400	,
कनिष्ठा	****	***1	2545	:

অসুও-রুদ্ধাসুলি। তর্জনী-তংগরাসুলি এবং এইৰণ ইত্যাদি।

# शक्शना।

গোময়	****	••••	***	•
গোদ্ত	••••	***	***	
निधि	**4.		****	
夏街		41 1		
মূত	****	****	****	•
				4

লক্ষীনারায়ণ্ প্রভৃতি দেবতাদিগের সং

# कना ७ जनाना भूका छेभलटक भक्षणतात ग्राव-रात रहेन्ना थाटक।

	প্	াম্ভ ৷		
<b>इ</b> भ	****	· F.·	****	>
<b>६</b> वि	76.61	***	****	>
শুন্ত	a f p.p	****	••••	3
য়ধু	***		***.	<b>5</b>
চিনি	****	****	****	<b>&gt;</b>
				•

অসকেশীর বালাখ্রীদিশের বিভীয় বিবাহ কালুদিতে পঞ্চায়ত পানের প্রথা আছে।

	পঞ্	विषे ।	.,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	
পশ্বথ	****	• • •	41	\$
निन् ब हे	****	•••	***	. >
	1404	***	****	. 5
ধারী	****		* ***	, <b>&gt;</b> (
वानांक	2"	****		. <b>5</b> /
			•	

#### थाळी प्रथार जागनकी इक ।

প্রাণ্ড তলে মৃত্যু হইলে হিন্দুধর্ম মতে
মন্ত্র্যাতিশেষ পুর্যাক্ষা বলিয়া প্রতিপন্ন হরেন :

# शुक्षनवन ।

করকচ	****	, let	
टेमञ्चन	****		***
माभू छ क		7.6	***
বিট	,,,,		****
স্মি		***	***

#### পঞ্চর ৷

স্থলচর	** *	,	
<b>ज्</b> ल छ र	#1.4	** * *	****
উভচন	**	4.3	4***
<b>मि</b> वास्त्र	• •		
নিশ্চর		****	,,,,

# এই পৃথিবীয় সমস্ত জীব ই পাঁচ প্রকার চন্ত্রজাণীতে বিভক্ত হইমাছে। পঞ্চরতা বিশ্ব

। এতাদেশীয়দের জীবিকা নিকাছার্থ ধানা। পত আবশ্যক বেইহা মুত্রবলিয়া উক্ত হুখ্যাছে।

# शक्तमा।

% <b>ন্</b> য	.***	***	+4	•
जनग		****		5
শূল। ভিল	***	••	****	>
ঘৰ	<b>4.</b>	****	2*** *	<b>ج</b>

## শেতগৰ্বণ

মুকা অংশিং মুগ এবং মর্বপ্-সরিষা।
এই পাঁচ প্রকার ভিন্ন অন্য প্রকার শ্
নাই এমত নহে। এডাবতা এই কয় প্রকা
শিল্যাব্যা তেওঁ। শারদীয় মহাপুজার মৃতি
নির্মিত সেদীতে গ্রিশ্বদার বস্বন করিয়া থাকে

# शरकाशहात शृह्य।।

ান	v - # H		م د ما
পুষ্প	* - 4 5		4.0
धृष मौथ	4198	****	
मीश			***
<b>टेन</b> टवम्	****	****	

েবতাদিগের পূজা সামান্যতঃ পঞ্চোপ-চারেই হুইয়া থাকে।

পঞ্চ উপাসক।

গাণপড়া ....

r		. अंश्याभिक्र		<b>\$</b> .	>
7.3	1418	***	***	79 83	*
्रेशक्ष विकास	****	,***	4.451		٥
* AITS		***			>
artigs		,*.*	4.91		•
					<b>u</b>
<b>3</b> [7]			ष्यभं		
ণ,ণপ্ত]			গণেশের	উপাদ	5 (
เหาิส		* 1*	স্থেগ্র		<u>ه</u>
रेद ५३ द	. •	•••	विकुत		ঐ
ুঁশ্ৰু		***	শিবের		Ď
3		***	শক্তির		ঐ
•	·	পঞ্চবাণ	1		•
অর বি <b>ন্দ</b>		••••			•
্ৰাশেক		,	*	,	>
চুত (আ	ম্)	****	, + ++	****	>
নবম[ল্লা	<b>∽</b>	****	***	****	>
नीत्नाद		•••	>## <b>*</b>	••••	>

ব্য	। যুক <b>্তি</b>	<b>উলে</b> খি	ভ পুদ্র	ক <b>য়েকটি</b>	×.
দৈবের ব	ानवद ह	ইয়া নসু	रयात्रं प्रा	<del>ন্তঃকরণ্</del> য	ক ৈ
্করে।					
*	35	বসর প	কবাণ!		i
ं <b>मत्या</b> हन		* 4 5	****		-
উন্মাদন		****	• •	• • •	••
্লোৰণ <u>্</u>		3.741	****		• .
্ভাপন		b.c	***	**	•
' <b>গু</b> নুন		***		•	
,		<b>শ</b> ড়্র	वम १		
্বাছ		****		,,,,	1 - 94
व्यप्तन		***		•••	
লবণ		****	•	***	- زج: ٠
कर्दे		• ***	•	***	7714
ভিক্ত	*-*>	••••	•	•••	
ক্ষায়	***			***	••••

# স্বাদু-মিষ্ট। কটু-ভীত্ত-কাল। আহারীয় প্রত্যেক জব্যের আসাদ উপ্রি শিক্ত কোন না কোনটি রদের দহিত একা।

le.	~	ষড <b>্ঋ</b> কু ৷		
ह्मा १५२ १५२ १५७ १५७	4.44	4***	***	>
र्मः		***		5
M(L)	4" "	a) % 6°	1 # 4	æ
ংশস্ত	****	6 444	****	*
*\1\2	•••• f	•••	1041	
'বাস্ক	4 - 4 -	** *	6441	
f f				flack sheep

## ঋতু ছারা বংগর বিভাগ।

40

	<b>3</b> .	• • • •
E	p = 4,5	देनमाथ उ देक्छ।
दर्श	****	পাষাড় ও আবণ।
শ্রহ	4141	ভারত অধিন।
११मन	****	কার্ত্তিক ও অগ্রহায়ণ।
শীত	4191	পৌষ ও নাখ।
বস্স্ত	•	ফ্ৰেণ ও চৈত্ৰ।

याम।

#### विमाञ्च महा

किया ।			
•	***	4**,	***
्रकृष् <mark>र १</mark>	•••	***	
- दानिक्द्र ।	• • • •		. ***
নিয়াক			****
<b>इ.स.</b> ३	45.1		• 0.
(था। उप	474.	****	,

# যত্রিপু।

<u>কাৰ</u>	,, .	****	
ক্রোধ	,	***	,
লে(ভ	u+ 3	***	***
নেশঙ্		1000	1764
ञ्ज	•••	••	Lane good
মাৎসর্যা	***	**	# x

্মোছ-অজ্ঞান। মদ-মীত্ততা এবং মাৎদা প্রসিংহা, পর্ঞীকাতরতা। মনুষ্য মাত্রেই এইছয় প্রকার রিপুপট্রশ। তথ্য প্রভ্যেকেতেই কোনটির আধিকাত। ও কোনটির অংগভাবিলোকিত হইয়া থাকে।

#### ৰজ্**দৰ্শন।** দেহ

NATE	•••	***	****	*
नांश			•••	\$
नांखा	****			· >
<b>াত</b> ঞ্জ	***			>
ীমাংদা			****	>
े नदर्शनिक	•	****		*
_				

এই ছয় প্রকার প্রধান দর্শন শাস্ত্র আমা-লের দৈশে অতি প্রাচীন দাল হইতে প্রচলিত আছে।

	ষ্ড় বি	ध टेमनाः		
(म)न	****	,***	449.	*
<b>इंद्रा</b>	****		****	(A)

77.41

	ર્સ્ય			
স্পি	534.	,***	••	15 %
FfX	****	****	• • ;	**
<b>५</b>	3 4 41		~~µ1	15
कुटन	4.50	e1 44	***	\$
	_			9
œ.	াটীন হিন্দুরা	<b>এक मगर्ग (</b>	দ অভিযাত	मख्।-
যুক্ত বি	<b>সং</b> হাপিত	ংইয়া <b>স</b> প্তৰী	প প্রভৃতির	আবি-
্ষ <sub>্</sub> ষ	সম্পাদন কৰি	নিহ <b>্ছিলেন স</b>	टक्ट नाहे,	<b>যেহেতু</b>
<b>有有数</b>	ণাগরের প্রায়	नक्षशादनर	গ্ৰুন গ্ৰুন	কর <b>ত</b>
ব্যেধ	द्श करनत	অংশ্বাদন ভে	দে তাঁখ্র	। सुरि-
हों द	নহা <b>দাগর</b> ে	নাতভাগে	গ বিভক্ত	করিয়া
	ছেন।			3

		সগুষ	T l		
দরীচি অত্রি		****	****	****	5
i	**	****	~ * *	****	>
শ্কিরা			, , , , ,	.***	>
্ৰনন্ত্য নিন্ত্য	****	****		***	<b>`&gt;</b> '
<u>ব</u> লহ	****	•••	*41	**1	5

₹6-	मर्था।मांव।				
<u>কেই</u>	** **		****	/**	,
र्शम छ	, ,	010	,,,,·		
4					

# मधिता की वी।

. अधार्य (हा	***	141	** 1
यांच			
र्व)[म	•		
্রত্ম ক	.,	**	***
दि <del>डे</del> वर			•
দুপাচার্য:	• •	,	**
<b>न</b> त्वत्राम	5#4 ¢		

থ গোলের শাত্রে উলিপিত সাতিজন খন বিলিয়া উচ্চ হইষাছেন। রামায়ণ ও মহাভার পাঠে উপারি উচ্চ নহাত্রা মমুদাবের জীবনচরি। নবিশোসভাত হওয়া ধাইতে পারে।

## मध्रथी।

		•		
- जोद	****	•	•	>
্ংশেয় (কণ্)	· ··			>
-পাচার্য	***		,.	3
এসপামা			***	*
শকুনি	,	4	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	3,
্ হৈয়াধন	* *			*
<i>দু∘শাৰ</i> ন	•		••	5

٤

এক সমস র্থিই মছাবিংস্। আজু নিকে অন্যায় সুক্ষেষ্ট্র শোরিত করেন।

( भरे म नाम दस्ता अर्द्धानाम । वापानाम १०)

## भवतीय।

ं श्रे	••	*1.2*	•	3
2,24	****	****		2
-(म्यूजी	••		****	,
কুশা				>
<b>ाकोश</b>		••	• • • •	*

श्रीति स्थान कारण्यां प्रशास के कि सारह श्रीति स्थान कारण्यां प्रिता के स्थान कार्यकार का स्थानामा वृद्धिको साल के श्रीत के कारण्यां प्रथा सालि हिंद कहिंदा जिल्ला, कारण्य स्थान स्थान सरम्ब नाम विद्या का प्रशास के का निश्च का एए या, के स्थान श्रीत का स्थान का स्थान स्थान का स्थान साला का स्थान भित्रतिक। ताथ स्थान साला से के द्वाल का प्रशास का स्थान का

## मध्दी।

প্তিত্ত	***	18.4	***	
কুলট'	••••	••		:
इयनी		, *·	***	•

प्रक्ती	****	• •		1
বেশ্যা	***	•••		3
गुन्नी	• •	·***		\$
নহাবেশ্ব।	****	**.	•	>

প্রথমে।জ ভিন্ন অপর কণকটিশন্দ প্রায় অভেদে ব্যবহার্য হেইড়া থাকে।

9

পৃথিবীয় যাবভাগ ক্রা জাভেই নিজং ভিলং খ্নাব ও চালে তেনে এই সাত প্রকারে বিভক্ত ছইয়াছে।

## मणिया।

कगानांड।			****	>
খন্নদ;ভ	• •	••••	, 45	>
छ। नमाचा	***	×1.*	***	*
थङामांड!	y. 54	***.		•
खग्राम (७)	, 4,		***	>
श्चना उ		****	.**	>

2

	এড ৰভা 'ই	লেরি উক্ত	मथ <b>ञ</b> ्चरक	পিতৃত্
ভক্তি	कतिदाक।			
7,		সাগাই!		
at*	* **	"	400\$79	ra's
দে†ম	**	, ••	••	
मकल	\$ W . /	Ø ñ v	****	
<u> বুখ</u>	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	4-	48.00	5
इङ्ब	াতি		• • •	**
西野	****	****		148
শ্মি		**		>

কি হাঙ্গালা, হিন্দী বা ইংরাজী গ্রায় নকল ভাষাতেই বার সকলের নাম, গ্রহাদি হুইছে: ভটংপতি হুইয়াছে।

#### नव श्रम्।

यामी .... १

	3	गंरचें। मात्र ।		7.7%
<b>ৰ</b> ণা <b>ত্ৰ</b>	· · · · ·	ेहर्न कंप १९	34 0-	35
इक्टर		L website	, term	, \$.
কোম		<b>+++</b>	**	
र:कें (दाका)	****	***	,	<b>.</b>
ซูท์ <sup>*</sup>	****	4 * * *	····	35
্ব				

74

রাজ্য বিশেষে উল্লিখিত, মপ্ত অঙ্গেরই আবস্থাক হইয়া থাকে। যে রাজ্যে অফ বিশেন যের অসন্তাব হয়, তাহা সম্বিক প্রজিনশালী বলিয়া পরিগণিত হয়না।

	व्यक्त	ভূ ৷	
হিরণ <sup>্ট</sup> ( <b>স্ব</b> র্ণ)	,,,,,		· *
রশভ (রৌপ্য)	1741	****	· * \$
কাংক্ত (কাঁদা)			خ څ
পীন্তল	****	*C ceda	
ভামু (ভাঁবা)			Section 18

48	কং <b>খ্যা</b> সার	1	
भीमा	• ••	• • •	***
'র <b>া</b> গ্ড		****	• ••
্লোহ (লোহা)	4+45	\$#\$C	

হিন্দু দেবতাদি অনীধাতু গঠিত চইয়া পাকে বোগোদর বা বন্তবিদার পাঠে এই সকল ধাতুর গুণানিবিশেষ জানিতে পারা যায়,এইফালে এই পৃথিবীর নানা স্থানে নানা প্রকার ধাতু খনন হইতেছে। বস্তুতঃ একের যহিত অপর ধাতুর ঘোণেও অনেক ধাতু উৎপন্ন হয়।

## বিবাহাষ্টক।

<b>ভা</b> দ্য	****	****	****	`
टेमव	. ***		****	3
षार्व	*4.94	***	****	, 'ه
প্রালাপত্য	****	,	weight to the	*
ু <b>শা</b> সুর	****	****	****	*
ना पर्य	****		, ,	4,

পূর্বকালে এই ভারতবর্ষে উপরিউক্ত অন্ট গুৰার বিবাহ প্রচলিত ছিল, আহ্বান পূথাক বি-धान वाक्तिक व्य विवादश कन्यामान कहा इस छान াত্রক ত্রাক্ষ বিবাহ কহে। যজ্ঞাদি আরম্ভ করিয়া ुर्डाक्डरक रव कना। पान कहा इस जाहारक टेपव <sup>নিবাহ</sup> কহে। একটি গাভী অথবা গোমিথুন নঙ্কেব্ৰু নিকট লইয়া যে বিবাহে ভাঁহাকে কন্যা দান করা শার ভাহাকে আর্ধ বিবাহ বলাধায়। ৫ ভোমর 🕆 धरेष्ट्रा गार्च्या कर्म क्ब्नु, अरेब्ट्स अवस्य याका র্গলিয়া অনন্তর অর্চনা পূর্বেক যে কন্যা দান ম্প্র ৰ দান যে বিবাহের সম্পানক ভাছাকে প্রাঞ্জ भका विवास वाला। कनाति शिकामिक समे श्रमान <sup>ক্</sup>রিয়া য়ে বিবাহ সম্পন হয় ভাহাকে আহ**র** বিবাহ কহে। কন্যা বরের **পর**ক্ষার অমুরাক্ষ শালিকনামি ব্যাপারানত্তর যেবিবাহ হয় তাহাকে

প্রথম বিবাহ করে। হরণ সময়ে যদি পিতৃত্ব প্রতিকুল হয় ওবে তাহাদিগকে হননাদি করি আ এ কন্যাব যে দান তাদৃশ দান যে বিবাহের দিপাদক ভাহাকে রাজ্য কিবাহ বল। যুক্ত নিজাতে অভিভূত বা মদ্যপানে মন্ত্র যে কলা ভাহাকে হরণ পূর্বক অর্ণ্যে গমন কর্তঃ া বিবাহ হয় ভাহাকে গৈশাচ বিবাহ কণ্ ভারাকীয় বিবাহ অপেক্ষা পৈশাচ বিবাহকে অন্

## অফবসু ৷

শ্বর	•••,	****	****	-
धूत दनाम	••••	***	****	
শেম	****	***	***	t
বিকু	4***	****	*484	• .
अवित	£1.85	****	# · **	*
भागम	***	.444	ph 14 mints	100
প্ৰ সূত্ৰ	****		* ***	

श्रु व

S 5

ইংরাই মহবি বশিষ্টের কামধের অপন্
হরে কৃত্তে তাঁহার শাপজনে গঙ্গার গর্তে জন্ম
এহন করিরাই অমনি মানবদেহ পরিভাগে পূর্বে্ দিনা লোকে শান কিবেন। তক্ষধ্যে বিনি
গপভরণ দোষে বিশেষ দূষিত ছিলেন ভিনিই
কেবল ভাষা নামে গনিত জাবন নরলোকে থাকিনি মুক্ত হয়েন।

( সহাভারতের আদি পর্কারণত শাস্তার(সান সহিছ গলার বিবাহ অধ্যয় ৷)

	নবগ্র	1इ।		, ¥
इदि	***		•••	3,
সোম (চন্দ্ৰ)		••	. ••	>
नक्रल	**	:***	. **	>
दूष	. 4860	*# <b>*</b> \$	* ***	( <b>%</b>
রু <b>হস্পতি</b>	****	****	4 4 4	
%क े	**** **	,		·*•
	শ্ব		3.8	, wear

Sp.	<b>मर्थाम</b> [त			
শ্বি	* ****	,.,,	****	
রাহ	****	****	****	
ক্তে	,*47	***	,,,,	1

অধুনাতন জ্যোতির্বিদ্যা বিশারদ্দিশের
বিশ্বত হুর্যা গ্রাহ বলিয়া গণা চয়েন না। উপরি
উক্ত নবগ্রহ ভিন্ন সিরিজ পালান, জুনো এবং
ভেক্তা প্রভৃতি অনেকানেক কৃত্র গ্রহ আধুনিক
ইউরোপীয় জ্যোতির্বিৎণণ কর্তৃক আবিদ্ধৃত্য
ইইয়াছে।

'Nos'	94	१४७ ।		
<b>খন্ত</b> রি	***	****	****	5
্ক্ষ পাণক	•••	<b>#**</b> *	***	5
অনরসিংহ	••••	y h. ##	***	
<b>43</b>	4886	***	****	5
বেডাল ভট	**.*	**** ,		• •
খাকপর	****	***	مقع	
श्रीलगम	j.	6 / a***	1	· [ ** 5.

मान

যে সকল ব্রাক্তণেরা এই নবগুণে গুণাছিত ছিলেন ভাঁহারদিগকেই ভূপতি বল্লাল কুল ছোণীতে সংস্থাপিত করিয়াগিয়াছেন।

#### দশাবতার।

*				
भर गा	****		***	
<b>2</b> 4	a F#B	* **	***	
वंबार		₹.,	<b>#</b> FFF	;
न्रतिर्ध	. * * *	- :	•••	÷-
বামন	* 744		***	\$
योगमध्य (श	রগুরাম )	****	****	`.
রাম	4000	****	****	, "
<b>*</b> 110	** *	****	,,,,	, ,
বুজ	****	## PR		0,0
कंस्ट	.· a.		****	ڍ
				-
*				144

ভগবান নারায়ণ উপরি উক্ত পর্যায়ক্রনে জ্ব ক্রছণ করিয়া এই ভারতবর্ষে যুগে২লীলা সম্পাদন ক্রিয়াগিয়াছেন, এইবুপ পুরাণ্যি হিন্দু শাস্ত্রে ,লিখিত আছে, তন্মধ্যে কক্ষী, অবতার ৰূপে এই কাণে আবিভাব হয়েন নাই। বিষ্ণুয়খা নামক ব্ৰাহ্মণের স্থাহ এই ভাবী অবতার জন্ম প্রহ্মণ করিবেন।

# কল্কী পুরাণে লিখিত আছে।

## দশ সংকার।

	7 1	6 14 4 64 9		
VERM			****	3
<b>शू</b> श्मवन्			****	<b></b>
<b>শী</b> নভোগ্যন			. ,****	•
জাত কৰ্ম		****	****	5
নিষ্মণ	+0.24	8 * e 4	****	>
নামকরণ	,,,,	***4	****	>
অন্নপ্রাশন	****	****		\$
চূড়াকরণ	***	****	****	. 5
উপনয়ন	••••	4+4*	***	\$
বিবাহ	4648	. 540	***	<b>5</b> ]

# मर्गापक । 有事の ं देन क्ष उ M 48 मगिषिक शानः

শ্ৰৈত্পতি (ধ্য)

বৰুণ		***	****	, <b>لا</b> ن "
ৰ্যকৃৎ	****	****	****	\$
কুবের	****	****		* *
ঈশ	****	****	****	. 5
উৰ্দ্ধেত্ৰদা				
অধুদি অনন্তঃ	****	4 W 4 Y	****	3



	भनामक	शाद्भव	मना मक	বিভাগ।	
দিকপাৰ	Ħ	* <b>#</b> \$⁴	4248	•	विक
<b>रे</b> ख		****	d R & d drawning	****	পূৰ্ব

<b>ন</b> হি	4.001	4 ****	***	'শ্যি		
পিতৃপতি যিম	****		***	म किन		
दैन श्वर्ष	,	****		নৈখাত।		
বরুণ	****		****	পশ্চিম		
मद्भव '	****	****		বাৰু ৷		
কুবের	****	****	****	উত্তর।		
<b>উ</b> শ	****	****	****	विशान ।		
ত্রসা	, mun ( ,	* **** ( )	E + # 5	041		
<b>અ</b> મશ્ર	****	, ,	****	, অধঃ।		
দশোগচার পূনা:						
• प्र	علدالع	গর পূত্র	1.			
भागः	শাগা	গর পূত্র	12	>		
	:*  পা ::	সার পূল		5		
পাদ্য ক্ষৰ্য্য ক্ষাচমনীয়		5000 5000				
পাদ্য ক্ষৰ্য্য		5000 5000				
পাদ্য ক্ষৰ্য্য ক্ষাচমনীয়		5000 5000		<b>.</b>		
পাদ্য ক্ষত্য ক্ষাচমনীয় মধুপুক (অভাবে		5000 5000				
পাদ্য অর্ঘ্য আচমনীয় অধুপূর্ক (অভাবে আচমন		5000 5000		5		

नीशं ... टेनटवनर ...

পৌনর্ডব

দশোপচার পূজা সামান্যতঃ না হইয়া বিশ্বিকার্যান্তরোধে হইয়া থাকে। বস্ততঃ মাধার্নতঃ হইলেও হানি নাই। কত হলে দশোপচার পূজা সামানা প্রায় প্রত্যহ হইয়া থাকে।

ন্তুরুদ
ক্ষেত্রজ্
দত্তক
ক্রিম
শূরুদ্বিপ্র
অপবিদ্য
কারীম
শহোঢ়
ক্রীত

শ্বারশ্ব --- --

নিবাহিভাত্রীরণরে সামীকর্ত্ক উৎপাদিতকে ্বিপ্রস বঙ্গে, খ্র্য্রীতে বিশানক্রমে অন্যন্তার উৎশ্রা-দিতকে ক্ষেত্রস। নাতা পিতৃ। কর্তৃক দন্ত যে পুত দে দত্তক। স্বজাতীয়, পুত্ৰীৰ্থাক্ৰান্ত কে ন বাল-ককে পুত্র করাকে কৃত্রিম করে যুক্ত বাহাতে ! গোপনে স্বন্ধাতীয় জন বিশেষ কর্তৃক পুত্র উই পাদিত হয় এমত পুত্র গুঢ়োৎপন। মাতা পিতা কুৰ্ত্ব পরিত্যক্ত বানককে পুত্রৰূপে স্বীকার করা অপবিদ্ধ। বিবাহের পূর্বের কন্যার পিতৃ श्र्ट (४ भूळ इस म कोनीन। गर्डयूक कनोत ৰিবাহ পরে, ঐ গর্জ্জাত পুত্রকে সংহাঢ় কছে। পিতা মাতার নিকটে অর্থহারা যাহাকে কেনা হয় সে ক্রীভ। বিবাহানন্তর পুনর্বার অন্যের ভার্যা হুওতঃ যে মন্তান জন্মে ভাহাকে পৌনর্ভব। মাডা পতা কর্ত্তুক অকারণে ত্যক্ত কি মাতা পিতা

্র ক্রিছীন বালক আপনি অনেরে পুত্র হয় যে স্বয়ং দত্ত। ত্রাকণ কামাশক হইয়া শুদাতে যে পুত্র <sup>টা</sup> छे९ शाहन करतन छोडारक शाहनत् करह।

#### हाम्य यात्रा

देश श	****				٠,
ेखा <b>र्</b> छ	***	•		****	*
শ্বাচ	~,		••	***	>
ভাবণ					5
ঠাঁদ্র				***	5
আশিন	A * * *			7.44	,>
কার্ত্তিক	***		, • • •	****	13
অগ্ৰহায়ণ	,		***	4001	3
পৌৰ	1		•••	****	3
মাঘ	****			4287	>
<b>ফান্ড</b> ণ	••		****	. ***	*
टैठक "		****	10,00	***	5

#### मर्थाम्य

#### मापन तानि।

<b>ে</b> মৰ	***	100	***	\$
इष	****	***	.,	۲,
নিখুন	***	*/**	****	P.
কক'ট	****		***	;
मिश्ङ्	•••.	13 to 16 to	****	>
कन्तुः	••••		**.*	1
তুলা `	****	***	****	*,
ব্লশ্চিক (বিছা)	****	****	1966	•
ধন্ম	>445	1000	****	•
মকর	••••	49.84	,	ړ!
कु छ मीन	••••	gr! 9%	****	5
<b>होन</b>	••••	****	****	٠,

33

ক্ষোতির্বিৎ হিন্দু পণ্ডিতদিরের মতে ক্র্মা বংশরের মধ্যে মেষ, ব্লব প্রভৃতি এই স্বাদশ রাশিচক্র এক বার পরিজ্ঞমণ করেন। ভ্রমবো বৈশাধে মেষে, জ্যৈতে ব্রষে, স্বাধান্ত

प्रथम <b>এ</b> वर	এই্রপে টৈ	र्दाभीन इ	্ৰিতে	অগ-
ইতি করেন	1			
	পাধ্যদশ	তিথি।		
প্ৰি <b>প্</b> ৰ	••••	••••	****	•
হ হায়া	1444	****		•
क् की दा			••••	•
s কৃ থ <b>ী</b>	••	<del></del>		>
" भाषा भी । "	***	,a **	****	>
क्षेत्र	.***	••••	,	•
<b>শগুমী</b>	****	••••		5
খ <b>ঠনী</b>	****	••••	r***	5
नगरी	** >*	***		3
6.75 m		••••	****	>
এক দেশী	****		. • • •	· >
वानभी	•••	••••	***	>
दरहामभी		****	c***	•

ह कु र्या भी

পূৰ্ণিমা বা অনাবস্যা

ি তীয় ভাগ চাকপাঠ, পাঠে প্রতিপদ দ্বি দীয়া প্রভৃতি ভিথি দদু হছর কারণ ও চল্ডকলার ক্রম রুদ্ধির বিষয় বিশেব অবগত হওয়া যাই-তে প্রবেষ্ট্র

## তে পুররে। যোড়শ ফাতা। खनवा ही পর্রপারিণী প্রক্রপত্রী देखेरमय शङ्गी .... ভক্ষাধাতী পিতার পত্নী कंगा मद्दापदा जिंगी ্<u>পূত্</u>তপত্নী শতা (শাত্ৰী)... **ৰাতা**মহী পিতানহী .... ্ৰাত্বধু .... শাতস্থা (নাগী) --

বিতৃ <b>স্বশ</b> (পিগী) ····	****		 >
नाज्ञानी (नाभी)	1240	ø	 <b>%</b> :

56

উপরি উক্ত যোড়শ পুলনীয়াদিগতে মা-ভূবং মান্য এবং ভক্তি প্রদর্শন করা মন্ত্র। মাত্রেরই উচিত, এই উদ্দেশেই ইঁহারা মাতৃ-পদ বাচ্যে কথিত হুইয়াছেন।

#### (याङ्ग्रान।

ছুমি	# <b>#</b> ≠ ≠	****	** *	3
व्य†मन		4 4 4 5	,	1
द्भव	***	••	•••	>
ব <b>্ৰ</b>	****	***	****	*
দীপ	417	****	v1++ *	3
<b>य</b> ञ्ज	****	***	<b>◆</b> ₹ <b>A</b> T	3
ভাষুল	****	****	••••	>
<b>ছত্ত</b>	••••	****	•••	5
71 <b>%</b>	****		1941	>
म <b>ंल</b> र	•	***	44.21	15

্বশ্বপক পুৰুৱাচননীয়

	<b>41.47</b>	মান্ত্রা		£ 3
গ্ৰীন <b>জল</b>		* ****	<i>5</i> . 9.4	,
(A	•••	****	***	; <b>*</b>
গভিব		****	• •	>
গ ক্ষ			•	\$
শু জ্ব	••	***		*
ধূপ		-	***	5
युष कोष		****		Š
रेस एवन र	***		****	•
<i>वास</i> न्न	,	,	····	>

**````** 

তুর্গোৎসন প্রভৃতি রুজন্বন্ধারেই থো-ডুলু উপচারে পুজা কার্য্য সংগল চইয়া নাজে। কলতঃ অন্যান্য কর্ম কান্ডোপলকে ব্যেড়ল উপ্য চারে পুজা হইলেও অনুমাত্র হানি নাই। অনেক ভানে নিজা নিজাই উপায়িউজ বিধানে পুজা সমাধা হইয়া থাকে।

# वर्छ। मन श्रुद्राल।

<u>वाच</u> .... ... ... ... ...

# मर्यामात् । **देवम**्य क गवड मानुकी ग आर्क द १०३३ কাহেয়ৰ करिया **उमा**देवनर्ड टेन अ 4915 **147** বামন ) 5

এই দকল পুরংন নথে; অনেক উপপুরার্থি নিবিউ আছে। পুরানপাঠে স্টির বিবরণ রাজ্য নিনের বংশবিবরণ নম্বত্র সম্বর্থীয় ঘটনাবলী নবং বিশেষ্থ বংশের বিশেষ্থ চরিত্র জালা যাই।

## মান্ত্ৰিচক (নিগেল্ৰ) শ্ৰা

সংখ্যানাতত শাল গুণ্ প্রনার-গংখ্যা বেশেকা
প্রং সংখ্যান পূর্ণ থোঁ ক বা বাহালা ভাষা
সংখ্যা বেখেক শক ছাল লাক ছে ব্যবজ্জ-সাধুজান
বাম প্রচলিত এক প্রানার ও সামান্তভা ব্যবজ্জ
অন্য প্রকারণ ভ্রমণে পুর্ক্ষাক্ত প্রকারই নিম্নে
নিথিত হইল, ধর্ম-

मः थादाइक।		পূর্ণবাচক শব্দ	1
াঙ্গ	*17		
	এক	ऽन <b>कार्यर</b> ∤ श्रापक	,
	্ৰ	২য় "ছিডী	'র ,
	ত্রি	তর " ভূডীয়	
	চজুর্	8र्थ ., एकुर्व	

現た対	:13157.	<b>为</b> ?	9715% * ·
明斯	<b>R</b> (1)		
•	পুরু,	<b>化</b> 写 电时行	প্ৰক্ৰম
•••••••••••••••••••••••••••••••••••••	गुड़े (४४)	<b>u</b> ā ,,	য <b>ন্ত</b>
, q.,,	.* अस्ट	94 ,,	সপ্তৰ
<b>.</b>	જા <i>દો</i> કુ	bi 10	द्धेव
79	<b>~</b> 4	n, Fa	া কুম
5.	सं अ	جو پلامد	म अप
33	esceth ni	:54 s	2011
्री <sup>ह</sup> <b>५३</b>	BINN	52 m	MIN M.
<b>1</b> 00,	खरशाम-प	\$950	लग्डां र
>8	<b>ह</b> ु (हर)	384 +>	V 2 4 *:
. 14	<b>श्</b> रुविश	50 % "	अं ६७ १ भ
13	ষোড়েন	395E ,,	ষে: <b>ড়</b> শ
33	স্থান প	54#( ,,	मुन्दु हुन्द
	ब्राज्य मन	76-X1 9,	অন্টান ল
, ) in	केमित गाँउ	3.5°M	উন্বিংশ
>>	বিংশ ত	₹¢#₹ 33	বিংশ
3.0	এক্রিংশক্তি	₹ <b>5</b> ₩ ,,	একবিংশ
*	कारी वर्ता क	, , ,,	

সংখ্যাব্চিক :

পূরণবাচাক শক।

लक्ष चारा

২২ ছাবিংশতি ২২শভার দাবিংশ

२७ उद्याधिया भावि २०० , कटणित्रण

হর চতুলিংশভি হল , চতুরিংশ

াত প্ৰয়াবংকাতি ২তাৰ প্ৰাবিশ্ব ভিতঃশীলিট

ভীন্যি শতি ভুল্ল জ্বশিকী পূর্ণ বাচক

শক সকল স্থা ভতা সংগ্ৰা সাৱ বেংধক শবে (ভন) প্ৰাভ বেধ বেংগেও নিশান গ্ৰা! ব্যা:— উনবিংশভিভন, বিংশভিভন একবিংশভিভন

তথা শততম ইত,াণি।

#### मा भारता हक।

到账			æ(¥
44			ধ্ত্বিংশ 🖁
29		••	मल्डिः मजि
₹≽	••		আন্টারিং শাজি
२%	••	**	উন্তি-শং
۷.	****	****	ত্রিং শৎ

#### भः यो भाव ।

#### मः खार्चाक्ता

चह			स्म (
45			এক ত্রি•্শং
<b>46</b>	. 4.	***	<b>बो</b> जिल्ल
<b>\$</b> 3	****	·	ख्य∫ ख्रः ४६
. * 8	. * * *	•••	চতু হি <b>ংশং</b>
30	/ * <b>**</b>		NO THE
<b>~~</b>	* # % ·	•	व हे जिल्लाह
44	14.44		和专门有代明代
19 P	*164	•	শ্বর বিশ্ব
45		w .	कि. इद्योतिसमा
\$-	***		<b>हर्</b> हिल्लंड
83.7	••	***	এবচ <b>রারিংশৎ</b>
· Be	uje kaji Pr	•	ष वा दिङ्ग्रातिः भर
			ত্রয়ো বা কেতহ'রি শব
88	***	1.64	<b>छङ्कारा</b> दिश्म <b>र</b>
£¢.			পঞ্চয়।রিংশৎ
**	>*#*	•	ষট্চ <b>রা</b> রিংশং
in	<b></b>	**,,	সম্ভচ্ছারিংশৎ

#### मश्याग्वाहक।

			न्यं ।
þ-	**	••	अन्ते। वा अक्षेत्रकृतिश्मरः
45	***		উনপঞাশৎ
٠	••		श्रामार .
>			<b>এক প্রধান্ত</b>
**		; •	षा वा विश्वशंबद
4	***	• •	হয়ে! যা ত্রিপঞ্চাশৎ
ł A		***	5 3 . W. 81 # 6
t¢	** *	•	श्र मार्थिक
i.de	•••		नकेश सम्
:\$	•••		मृद्धशक्ष्मं मर
ib-	* **		चक्षी वा असेगकामक
61		**	<b>जे</b> नर वि
,,	***	•••	य हि
6.0		****	<b>ध</b> र वर्षि
bξ	. • • •		ष् तः विनिष्ठि
p <b>7</b>			बद्धा दा किय्कि
**	••••		<b>চকু:</b> যথি

#### मर्**या** ग्राज

#### मः शामिएकः

Marie State			स्था।
CAS.	. 1 #1		शक्षाचि
<b>100</b> 0.		• ••	<b>व</b> ें ए <b>वि</b>
. 909		•	নপ্ৰকী
量ア			था छै। या जातिन कि
45	****	•	উনসঞ্জি
4	4***	**.	সপ্ত ভি
<b>35</b>	,	***	একগণ্ডবি
42		***	দ্বিগপ্ত তি
49	***	***	<u> ক্রিরপ্ত(ড</u>
48	***	• •	ग पूरुमश्र 🕞
4 2	•••		्, झः भ <i>्य</i> िक
<b>*</b> 91	**	***	महेमल्डि
49	****	***	अक्षाल (ड
95	****	•••	হাটো বা অফিনপ্ততি
45			西州新华
a	***		অশীত
<b>*</b> 25	· (***	•• •	, একাশীতি

#### भःशाबाहक।

128			নাম ৷
ર	*1 **	**	হ <b>্যশীতি</b>
ب ،	***	•••	gredfs
-8	**		<b>চভু</b> রশীতি
-3	**	•	<del>প্</del> যাশীতি
*19	••	4.5	যড় শী তি
ba-á	194	***	<b>মপ্তাশী</b> ভি
n-b-	•		অফ'শীতি
53	• •		<b>উন্ন</b> ব্তি
৯০	• • •	• •	নবভি
9:	****	••	এক <b>ন</b> ব্যি
\$6	***	***	ষা বাগিনৰ্ভি
રું	••	* *	ত্ৰয়ো বা ত্ৰিনবভি
: 3	•••	4177	চভুন বিভি
53	•••	••••	শস্থান ব <b>তি</b>
ಶಿಶ	***	••	यह विक
29	****		<b>সপ্তনবৃত্তি</b>
ット	**** **** ***	****	অ্টা বা অইনবভি

#### मश्यागिक्त ।

অঙ্ক	•			क (ग ।
22		***	, a de .	जनभ्दर्क
200	•	.***		. WT3

## সাঙ্কেতিক শব্দ ব্যৱহার।

স্থানবিশেষে কতক গুলিন শক্ত সংক্ষাত 🐠 হার্য্য হয়, যথা---かまる きなん সাক্ষেতিক শ্ৰু। 17. (\$ c) আ'ং .... ... इंग्रह **इ**९ ₹ · 31.51 ₹° .... উত্তর উং .... বিদয়ভ কিং .... .... ... কেম্পানি **carte** .... ··· ঠীব**লিক 3** ... হয়ভার ৎ 2.0 Ft:

#### সংখ্যাসার।

দাক্ষেতি	ह अंका।			প্রকৃত শব্দ।
्रि <b>ड</b>		45**	****	किमा
<b>s</b> te	**1*	gan.	****	ভারিখ
R.e.				भवर
Fre '	***1	****	••••	দিগর
<b>ત</b> ং	***	• « »		নম্বর
143	4 6 101	****	•	নিবেদন
শৃং	****	•	****	পর গণা
शु रा १	<b>†</b> e	< ***		পুনশ্চ
পুং	,,,,	****	4000	পুংলিক
शार	****	pu #4	****	পারদী
প্রং	****	at 4.e	,	প্রশ
<b>3</b> .	****	*,***	****	<b>ৰকলম</b>
विং		<b>%</b> ;	,40,00	বিম জিছ ম
বিং	,	****	2 ***	বিয়ারিং
হাং	1144	gra p. u 4	****	वा <b>त्रला</b>
ভাং	· an exes	****	<b>6</b> # # # be	ভাণারী
<b>ম</b> ং	(**)	91-81	****	মব <b>লগ</b>
at:	2011	#*************************************	<i>C</i> ::	ম <b>ারকুত্ত</b>

गाःकि	क मस्।			প্ৰকৃত খ্যা
মেং	****	1444	944	মেন্টব্ৰ
<b>নো</b> ং	4***	v*++	••••	<u> শোকাম</u>
মোং		***	4++4	<b>মোভাবে</b> ক
जीः ;	****		e~ • •	ত্ৰীলিক
' সাং	1 * #0	a • • •	****	শ কিন
<b>म</b> ং	44.0	c	<b>म</b> १३	<b>চূত বা</b> সংবাদ
<b>हि</b> १	•••	****	****	<b>इन्ही</b>
हिः	****	***	****	<b>इि</b> गार

